यूपी के उद्यमियों को ब्रिटेन ने किया निवेश के लिए आमंत्रित

ब्रिटिश उच्चायुक्त की लखनऊ में सीआईआई सदस्यों से मुलाकात

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने सीआईआई के प्रतिनिधियों के साथ ब्रिटेन में निवेश को लेकर बैठक की। स्रोत : सीआईआई

लखनऊ। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के प्रतिनिधियों ने लखनऊ में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस के साथ विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा, खाद्य प्रसंस्करण व सेवा जैसे क्षेत्रों से संबंधित और विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में व्यापार, नवाचार, प्रौद्योगिकी को बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

सीआईआई यूपी की उपाध्यक्ष और पीटीसी इंडस्ट्रीज की निदेशक स्मिता अग्रवाल ने कहा कि भारत विश्व में तेजी से बढ़ता बाजार और तीव्र गति से विकसित अर्थव्यवस्था है। प्रौद्योगिकी, व्यापार, वित्त, सेवा आदि के क्षेत्र में भारत में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय व्यापारी विशेष रूप से यूपी का औद्योगिक वर्ग, विदेशी उद्योगों के साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत करने और व्यापार व द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उनके साथ सहयोग करने को उत्सुक है। इसमें सीआईआई एक अहम भूमिका निभाएगा।

भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने कहा कि ब्रिटेन दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विभिन्न क्षेत्रों में भारत, ब्रिटेन में दूसरा सबसे बड़ा निवेशक है। टाटा समूह का ब्रिटेन में अब तक चार अरब का निवेश है, यह लगातार बढ़ रहा है। मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को मजबूत करने में मददगार सिद्ध होगा। उन्होंने यूपी के उद्यमियों को ब्रिटेन में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर सुरक्षा, ऊर्जा, शिक्षा, सस्टेनेबिलिटी और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में यूके के साथ यूपी के संभावित सहयोग पर विस्तार से चर्चा की थी।

वहीं, ब्रिटिश उच्चायुक्त के दक्षिण एशिया के व्यापार आयुक्त और पश्चिमी उप-उच्चायुक्त हरजिंदर कांग ने कहा कि एफटीए 2030 तक यूके और भारत के बीच व्यापार संबंधों को दोगुना करने और आगे के वाणिज्यिक समझौतों के लिए रोडमैप तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा।